RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 10 अक्टूबर 2022 वर्ष 04 अंक 152 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

भाजपा ने राहुल के पोस्टर पर जूते मारे: सावरकर पर दिए बयान पर जताई नाराजगी; उद्धव को कलियुग का धृतराष्ट्र कहा

मुंबई. मुंबई में भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के पोस्टर पर जूते मारे। इखढ विधायक राम कदम ने इसे जूता मारो आंदोलन नाम दिया। उन्होंने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने वीर सावरकर को

लेकर अभद्र बयान दिया था। इखढ के प्रदर्शन में शिवसेना को भी निशाना बनाया गया है। पोस्टर में उद्धव ठाकरे की आंखों और मुंह में काली पट्टी दिखाई गई है। भाजपा ने उद्धव को कलियुग का धृतराष्ट्र कहा।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कर्नाटक में राहुल गांधी ने कहा था कि सावरकर अंग्रेजों के लिए काम करते थे और उन्हें इसके लिए पैसे मिलते थे। भाजपा विधायक राम कदम ने राहुल गांधी के पोस्टर पर जूते बरसाते हुए कहा कि राहुल बार-बार सावरकर को लेकर उल्टे बयान देते रहते हैं, जिसे बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्हें देश की जनता के सामने माफी मांगनी चाहिए।

प्रोटेस्ट के दौरान भाजपा ने शिवसेना के खिलाफ भी नारेबाजी की है और उद्धव की चुप्पी पर सवाल खड़े किए हैं। विधायक राम कदम ने कहा कि राहुल के सावरकर वाले बयान पर उद्धव अपना रुख स्पष्ट क्यों नहीं कर रहे हैं? वह राहुल गांधी की आलोचना क्यों नहीं कर रहे हैं? BJP विधायक ने आगे कहा कि उद्धव ने हिंदुत्व को त्याग दिया और बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से समझौता किया है। भाजपा ने सावरकर को लेकर दिए गए बयान को लेकर राहुल के खिलाफ पुणे भी प्रोटेस्ट किया है। इखढ ने कहा कि फर और सावरकर की हिंदुत्व वाली विचारधारा को लोगों ने स्वीकार कर लिया है। इसी बात से राहुल गांधी डिप्रेशन में हैं और बेतुके बयान बाहर दे रहे हैं।

MVA काल में साइडलाइन हुए आला अधिकारी करेंगे वापसी!

चर्चित IPS अधिकारी रश्मि शुक्ला की महाराष्ट्र में वापसी के आसार

मुंबई. चर्चित IPS अधिकारी रश्मि शुक्ला की महाराष्ट्र में वापसी के आसार है। खबर है कि आगामी फेरबदल में सरकार उन्हें अहम जिम्मेदारी सौंप सकती है। हाल ही में राज्य के गृहमंत्रालय ने उनके खिलाफ जारी आपराधिक मामलों को बंद करने का फैसला लिया था।

कहा जाता है कि साल 2014 से 2019 के बीच फडणवीस के शासन में शुक्ला अहम पुलिस अधिकारी थी। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, शुक्ला की संभावित नियुक्ति राज्य में नौकरशाहों को हैरान कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ कद्दर अधिकारी ने बताया, 'प्रथम दृष्टया, ऐसा लग रहा है कि जब उनके खिलाफ मामले बंद किए जा रहे हैं, तो शुक्ला राज्य में अपनी वापसी और नई जिम्मेदारी की मांग कर सकती हैं।' शुक्ला 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। वह 31 अक्टूबर को रिटायर होने जा रहे हेमंत नगराले के बाद सबसे वरिष्ठ हैं। ऐसे में पुलिस महानिदेशक पर उनकी नियुक्ति को लेकर विचार किया जा सकता है। फिलहाल, यह पद रजनीश सेठ के पास है। इसके अलावा वह विवेक फंसालकर की जगह मुंबई पुलिस आयुक्त भी बनाई जा सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी

ने कहा, 'फडनवीस हाल ही में नियुक्त हुए फांसलकर को नहीं छड़ेंगे। फांसलकर हमेशा राजनीति से दूर और कानून का पालन करने वाले माने जाते हैं। इसके बाद उन्हें डीजीपी बनाया जा सकता है और सेठ को डीजी (एंटी करप्शन) डीजी बनाया जा सकता है।'

राज्य में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस समेत अन्य दलों के गठबंधन की महाविकास अघाड़ी सरकार आने के बाद शुक्ला को साइडलाइन कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें सेंट्रल डेप्युटेशन का फैसला किया। खास बात है कि एमवीए सरकार ने उनके खइलाफ दो बड़े आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। जुलाई में राज्य में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा सरकार की वापसी हुई है। इसके अलावा राज्य में कई अहम पद खाली है। सेठ को डीजीपी बनाए जाने के बाद डीजी (एंटी करप्शन ब्यूरो) पद खाली है। मई 2022 में के वेंकटेशम के रिटायरमेंट के बाद महानिदेशक (होम गार्ड्स) का पद खाली है। साथ ही फांसलकर को मुंबई आयुक्त बनाए जाने के बाद से डीजी (हाउसिंग) खाली है। ऐसे में संभावनाएं जताई जा रही हैं कि टश्अ सरकार में दरकिनार हुए कद्दर अधिकारियों की वापसी हो सकती है।

मुंबई पुलिस ने शिवसेना के ठाकरे गुट के समर्थन में तैयार शपथ पत्रों को लेकर प्राथमिकी दर्ज की

मुंबई. मुंबई पुलिस ने शिवसेना के उद्धव ठाकरे नीत गुट के समर्थन में तैयार किए गए 4,500 से अधिक शपथ पत्र बरामद करने के बाद धोखाधड़ी तथा जालसाजी के आरोपों में अज्ञात लोगों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है।

शिवसेना के एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले धड़े के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने एक वीडियो संदेश में दावा किया कि मुंबई पुलिस को 4,682 ''फर्जी'' शपथ पत्र मिले हैं और उसने एक शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज किया है।

ठाणे के पूर्व महापौर म्हस्के ने पुलिस का आभार व्यक्त किया और शिवसेना के चुनाव चिह्न को लेकर शिंदे गुट के साथ विवाद के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के समक्ष शपथ पत्र

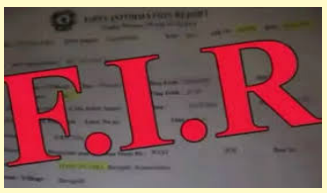

देने में कथित कदाचार को लेकर ठाकरे गुट की आलोचना की।

उन्होंने कहा, ''मेरा आरोप है कि शिवसैनिकों के ये फर्जी और झूठे शपथ पत्र निर्वाचन आयोग के समक्ष जमा कराने के लिए तैयार किए गए।''

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें एक नोटरी से शपथ पत्र मिले, जिसमें शिवसेना समर्थकों के आधार कार्ड जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां संलग्न थीं। इसके बाद शनिवार को यहां निर्मल नगर पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 465 (जालसाजी) के तहत मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी में कहा गया है कि शिकायतकर्ता बांद्रा की एक अदालत में गया था और उसने दो लोगों को शपथ पत्रों के ढेर के साथ देखा, जिस पर नोटरी की मुहर लगी थी। इसमें कहा गया है कि पुलिस ने सभी शपथ पत्र जब्त कर लिए और अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। निर्मल नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी के अनुसार, शपथ पत्र बनवाने वाले व्यक्ति को नोटरी के समक्ष पेश होना पड़ता है। इस मामले में जिन लोगों के नाम शपथ पत्र में थे, वे वहां मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि पुलिस उन लोगों को बुलाएगी और यह पुष्टि करेगी कि क्या उन्होंने ठाकरे गुट के समर्थन में शपथ पत्र बनवाए हैं और क्या उन्हें अपने नाम पर शपथ पत्र तैयार किए जाने के बारे में पता है।

अगले दो दिन हो सकती है झमाझम बारिश...

आईएमडी ने चेताया, जारी किया गया येलो अलर्ट

मुंबई: मौसम के जानकारों के मुताबिक अगले दो दिनों मुंबई में भारी बारिश हो सकती है। बीते दो दिनों हुई बारिश के हालात भी इस ओर इशारा कर रहे हैं। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कई राज्यों समेत महाराष्ट्र में भी अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई में भारी बारिश की शंका जताते हुए मौसम विज्ञान विभाग ने शहर और आसपास के जिलों ठाणे, कोंकण और पालघर में अगले दो दिनों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। इसके साथ ही लोगों को बारिश के बीच हिदायत भी दी गई है कि वे नदियों-नालों से दूर रहें। वहीं आईएमडी के अधिकारियों ने कहा कि बीते शनिवार को अक्टूबर में 24 घंटे के अंतराल में सबसे अधिक बारिश का रिकॉर्ड दर्ज किया गया।

पिछले साल अक्टूबर की बात करें तो सबसे ज्यादा एक दिन में हुई बारिश 86.5 मिमी दर्ज की गई थी। वहीं बीते सालों की बात करें तो अक्टूबर में एक दिन का आंकड़ा साल 1988 में दर्ज किया गया था, जब 15 अक्टूबर को 140.8 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। मुंबई में बीते शुक्रवार और शनिवार की बीच रात को भारी बारिश हुई। जिसको लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पिछले 24 घंटों में 114 मिमी बारिश दर्ज की।

आईएमडी ने अगले पांच दिनों के लिए मौसम के पूवार्नुमान को लेकर भी जानकारी दी है। जिसके मुताबिक अगले दो दिन होने वाली बारिश भारी भी पड़ सकती है। यानी रविवार और सोमवार को गरज के साथ बारिश हो सकती है। स्काईमेट मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक 13 अक्टूबर तक हल्की बारिश जारी रहेगी, जिसके बाद मुंबई से मानसून के पीछे हटने की संभावना है। क्योंकि बंगाल की खाड़ी और महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र में लगातार दो कम दबाव के क्षेत्र हैं, जिसकी वजह से मुंबई और उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बारिश जारी है। आईएमडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हवा में नमी लगातार बरकरार है, जिसकी वजह से तापमान में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है।

संपादकीय / लेख

बड़ी समस्या जनसंख्या

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

50 साल पहले भारतवर्ष की आबादी 34 करोड़ थी। आज हम 96 करोड़ तक पहुंच गए हैं और 2001 में हम 100 करोड़ तक पहुंच जाएंगे और शायद चीन से आबादी के मामले में आगे जाने का कार्य हमारी पीढ़ी करेगी। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश भारत बनेगा। यह परिस्थिति आगे आने वाले चार सालों में होने वाली है। इस पर यदि हम ध्यान नहीं देंगे, तो विकास की हम चाहे जो भी प्रक्रिया अपनाएं, चाहे हम कितनी ही धनराशि खर्च करें, चाहे हम कितनी ही बंजर जमीन ठीक करें, चाहे हम कितना ही पानी लाएं, हमारा वह सब प्रयास इस बढ़ती हुई आबादी के सामने असफल हो जाएगा। इसलिए यह जनवृद्धि एक ऐसा विषय है, जिस पर पूरे देश को एक ऐसा माहौल तैयार करना होगा और उसमें सभी धर्मों, वर्गों, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, लोक-प्रतिनिधि आदि को साथ लेकर चलना होगा और एक तरह से इसके खिलाफ जंग लड़नी होगी। तभी इस देश को भयावह परिस्थिति से बचाया जा सकता है। हम दुनिया के सामने नए सवाल पैदा कर रहे हैं। इस बारे में हमें ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

...जनसंख्या पर रोक लगाने के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं। भारत के समाज की जो जन्म दर थी, वह अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों से आगे नहीं थी, फिर भी हमारी जनसंख्या वृद्धि दर ज्यादा है। 1971 में भारत में प्रजनन दर 40 से 45 प्रति हजार थी और उसके बाद प्रजनन और जन्म दर कम हो गई। जन्म दर प्रति हजार 29 हो गई और प्रजनन दर 35 प्रति हजार हो गई। पिछले 25 सालों में यह दर 40 प्रति हजार से कम रही, फिर भी दुनिया के कई देशों से हमारी आबादी ज्यादा बढ़ रही है।... भारतवर्ष में प्रतिवर्ष एक करोड़ 70 लाख आबादी बढ़ती है। कई राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र में अच्छा काम किया है। ऐसे राज्यों में मैं केरल और तमिलनाडु का नाम लेना चाहूंगा, जहां इस क्षेत्र में अच्छा काम हुआ है। इनका नाम लेने में जहां हमें खुशी महसूस होती है, वहीं उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश, चार राज्य ऐसे हैं, जहां प्रति साल जनसंख्या वृद्धि ज्यादा है। हमें इस पर ध्यान देना होगा कि यह परिस्थिति क्यों पैदा होती है, इसका असर क्या होता है? आज भारतवर्ष में गरीबी है, बेरोजगारी है, भुखमरी है, भूजल स्थर पर असर हो रहा है, वन कम हो रहे हैं...। जब वन्य पशु-प्राणियों की बात आती है, उन पर बुरा असर हुआ है। इस सबका कारण बढ़ती हुई आबादी है। मुझे लगता है कि राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी समस्या बढ़ती हुई जनसंख्या है। इसको हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस पर सख्त ध्यान देने की जरूरत है कि वृद्धि दर कैसे कम होगी। इस बारे में एक माहौल पूरे देश में तैयार करने की जरूरत है कि परिवार का क्या आकार रखना चाहिए।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

शरद पवार के बयान पर शाहनवाज हुसैन बोले,
बालीवुड को हिंदू-मुसलमान के चश्मे से न देखें

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि बालीवुड में सबसे ज्यादा योगदान मुस्लिमों का है। उनके इस बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (इखढ) को उन पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। भाजपा कह रही है कि पवार चुनावी फायदे के लिए इस प्रकार के बयान दे रहे हैं। वह बालीवुड का सांप्रदायीकरण करना चाहते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

शनिवार को शरद पवार ने विदर्भ मुस्लिम इंटलेक्चुअल फोरम के एक कार्यक्रम में कहा कि आज देश में कला, काव्य और लेखन में योगदान करने की सबसे ज्यादा ताकत मुस्लिमों व उर्दू भाषा में है। बालीवुड में सबसे ज्यादा योगदान मुस्लिमों ने किया है। इस समुदाय में गुणवत्ता और दक्षता है, लेकिन उसे सहयोग और समान अवसर की जरूरत है। बाद में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पवार ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने मुस्लिमों को सबसे ज्यादा अवसर दिए हैं। उनकी पार्टी के आठ सांसदों में दो मुस्लिम समुदाय से हैं।

उधर, मुस्लिमों पर दिए गए इस बयान के कारण भाजपा को शरद पवार पर हमलावर होने का मौका मिल गया है।भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा है कि अब पवार बालीवुड को भी हिंदू-मुसलमान के चश्मे से देख रहे हैं। वह तो अभिनय का क्षेत्र है। उसे भी यदि हिंदू-मुसलमान के चश्मे से देखा जाने लगेगा या उसे किसी एक समाज की उपलब्धि बताया जाने लगेगा तो इस क्षेत्र में काम करने वालों और देखने वालों, दोनों के लिए दिक्कत पैदा होगी। इस तरह का बयान बालीवुड का भी सांप्रदायीकरण कर देगा।

मुंबई के भाजपा विधायक राम कदम ने भी पवार के बयान पर उनकी कड़ी आलोचना की। कहा- शरद पवार बालीवुड में किसी समुदाय का विशेष योगदान बताकर कहना क्या चाहते हैं? इस उद्योग में अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, जीतेंद्र समेत कई हस्तियों ने अपना पूरा जीवन फिल्म उद्योग में लगा दिया, आप उनकी तपस्या को कैसे भुला सकते हैं ? शरद पवार यह कैसे भूल गए कि इस फिल्म उद्योग का आरंभ हमारे दादा साहब फालके ने किया था। उनका यह बयान दशार्ता है कि चुनावी राजनीति के लिए वह बालीवुड को भी टुकड़ों-टुकड़ों में बांट देना चाहते हैं।

शरद पवार के बयानों में अक्सर यह शिकायत नजर आती है कि देश में मुस्लिम समुदाय के साथ न्याय नहीं हो रहा है। 2008 में मालेगांव में दूसरी बार हुए विस्फोटों के तुरंत बाद अपनी पार्टी के एक अधिवेशन में शरद पवार ने कहा था कि ऐसी घटनाओं के बाद पुलिस को किसी समुदाय पर एकतरफा कार्रवाई करने के बजाय दूसरे पक्षों पर भी नजर दौड़ानी चाहिए। उनके इसी बयान के बाद महाराष्ट्र की तत्कालीन कांग्रेस-राकांपा सरकार ने साध्वी प्रज्ञा व कर्नल पुरोहित सहित कई हिंदुओं को इस मामले में आरोपित बना दिया था। कुछ वर्ष बाद इस मामले की जांच एनआइए के हाथ में पहुंचने के बाद उस समय की गई महाराष्ट्र एटीएस की जांच पर भी कई सवाल खड़े हो चुके हैं।

ब्रांड न्यू कार ने ऐसे ली एंट्री, पार्किंग में खड़ी बाइक को मारी टक्कर

मुंबई, मुबंई की सोसायटी से एक ब्रांड न्यू कार का वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जहां एक न्यू कार पार्किंग में लाइन से खड़ी कई टू-व्हीलरों से टकरा गई। वायरल सीसीटीवी फुटेज की तारीख के मुताबिक ये घटना गुरुवार शाम की है।

दरअसल, एक ब्रांड न्यू कार शो रूम से सोसायटी आती है। ऐसे में गार्ड गेट खोलता है और फूलों से सजी कार की एंट्री होती है। हालांकि जैसे ही रवश कार की एंट्री होती है, कार अंदर आकर लाइन से खड़ी बाइकों से टकरा जाती है। इस दौरान कार का संतुलन बिगड़ जाता है और एक साइड स्लिप हो जाती है।

ये पूरी घटना देख गेट पर खड़ा गार्ड और एक शख्स भागकर कार चालक की मदद करने आते है। अब ऐसे में ये पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

गौरतलब है कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने के तुरंद बाद वायरल हो गया। खबर लिखे जाने तक वीडियो को ट्विटर पर 2,680 रीट्वीट, 17,909 लाइक्स और 800,000 से अधिक बार देखा जा चुका है।

वीडियो वायरल होने के बाद कमेंट सेक्शन में यूजर्स की प्रतिक्रियाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कुछ यूजर्स ने जहां दुर्घटना को दुखद बताया तो वहीं कुछ ने ड्राइवर का मजाक बनाया। जबकि कुछ और लोग ये जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ये दुर्घटना कैसे हुई होगी।

यूजर्स में से एक ने कहा, 'हमारे पास उचित ऑटोमैटिक्स की कमी है। डीएसजी और सीवीटी महंगे हैं। अधिकांश क्लचलेस वाहन, एएमटी, इंस्टेंट पिकअप इंजन के साथ होते हैं - नियंत्रण की कमी के लिए एक कंप्लीट नो है। उचित ऑटोमैटिक्स को स्थिर रखने के लिए डिजाइन किया गया है। बेहतर नियंत्रण के लिए पिक-अप, एक ऐसी सुविधा जिसे लोग सराहने में विफल रहते हैं।'

ओला' व 'उबर' की तरह बेस्ट की इलेक्ट्रिक कैब!

मुंबई, 'ओला' व 'उबर' की तरह अब बेस्ट भी इको-फ्रेंडली इलेक्ट्रिक कैब लॉन्च करनेवाली है। बेस्ट की कैब शुरू होने से मुंबईकर ऑनलाइन बुकिंग करके उचित दरों पर वातानुकूलित यात्रा कर सकते हैं। बेस्ट के महाप्रबंधक लोकेश चंद्र ने बताया कि प्रस्ताव तैयार है और जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। लोकल के बाद बेस्ट मुंबईकरों की दूसरी लाइफलाइन है। हर दिन ३२ लाख यात्री बेस्ट से सफर करते हैं। बेस्ट की इस निर्णय से ओला-उबर को सावधान होना पड़ेगा, क्योंकि ये इलेक्ट्रिक कैब ऐप कंपनियों को बेस्ट इको-फ्रेंडली स्पर्धा करेगी।

बता दें कि यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए बेस्ट प्रशासन इलेक्ट्रिक बसों, एसी बसों, डबल डेकर बसों की शुरूआत कर रहा है। इसी के तहत अब ठेकेदार के माध्यम से बेस्ट ई-कैब भी शुरू करने जा रही है। ये वैष्ठब 'राजस्व बंटवारे' के आधार पर चलाई जाएंगी। एजेंसी इलेक्ट्रिक कारों के साथ-साथ ईंधन और ड्राइवर भी मुहैया कराएगी। प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि इलेक्ट्रिक कैब सेवाएं देने के लिए मुंबई के विभिन्न हिस्सों में जगह तय की जाएगी।

बेस्ट की वैष्ठब बुकिंग 'ओला', 'उबर' की तरह ऑनलाइन की जा सकेगी। इसके लिए 'बेस्ट' ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा इस सेवा का भुगतान नकद और ऑनलाइन किया जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि अन्य मौजूदा ऑनलाइन सेवाओं की तुलना में 'सर्वश्रेष्ठ' वैष्ठब की दरें कम और उचित होंगी। यह पर्यावरण के अनुकूल होगा क्योंकि यह इलेक्ट्रिक है। साथ ही इलेक्ट्रिक कार होने कारण वाहन शोर नहीं मचाएगा इसलिए ध्वनि प्रदूषण भी कम होगा।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 10 अक्टूबर 2022

ट्रेनों में नहीं मिल रहे कंफर्म टिकट

दिल्ली - मुंबई रूट के यात्रियों को ज्यादा दिक्कत

मुंबई, रेल प्रशासन ने यात्रियों को राहत देने के लिए कई ट्रेनों में कोच तो कुछ को फेस्टिवल स्पेशल बनाकर चलाने की घोषणा की है, लेकिन इससे कोई विशेष राहत नहीं मिलती दिख रही है। दिल्ली और मुंबई रूट के यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शुक्रवार की शाम पांच बजे तक की स्थिति देखें तो वाराणसी से मुंबई जाने वाली एलटीटी एक्सप्रेस में 10 अक्तूबर को 46, 11 को 36, 12 को 18, 13 को 20, 14 को 21, 15 को 26 वेटिंग है। इसी तरह बनारस जंक्शन से मुंबई जानी वाली महानगरी एक्सप्रेस में 10 को 62, 11 को 52, 12 को 49, 13 को 25, 14 को 47, 15 को 47 वेटिंग है। जबकि कामायनी एक्सप्रेस में 10 को 141, 11 को 80, 12 को 62, 13 को 38, 14 को 43, 15 को 47 वेटिंग दिख रहा है। इसी तरह वाराणसी से दिल्ली जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में 9 को 104, हालांकि 15 अक्तूबर तक 500 से अधिक सीट उपलब्ध है।

बिजली उत्पादन स्टेशन पर विस्फोट,

एक की मौत, दो अन्य घायल

ठाणे, उरण में स्थित एक बिजली उत्पादन स्टेशन पर विस्फोट हुआ है। स्टेशन नवी मुंबई इलाके में है। हादसे में तीन लोग घायल हो गए थे। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। दो का इलाज चल रहा है। विस्फोट में एक जूनियर इंजीनियर विवेक धूमले की इलाज के दौरान मौत हो गई है।

पुलिस के मुताबिक, मुंबई से 48 किलोमीटर दूर उरन में स्थित गैस टर्बाइन ऊर्जा स्टेशन के ब्वायलर के पंप में यह विस्फोट हुआ। उसमें शाम सवा चार बजे करीब आग लग गई। एक कनीय अभियंता समेत तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। घायलों में से एक को मृत घोषित कर दिया गया। विस्फोट के कारणों का पता अभी तक नहीं चल सका है।

पानी से भरी खदान में दो किशोर डूबे

ठाणे, ठाणे जिले के डोंबिवली कस्बे में पानी से भरी खदान में दो लड़के डूब गए। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने कहा कि घटना दोपहर में बोपर गांव में एक खदान में हुई, जब लड़के साइकिल की सवारी कर रहे थे और अपना संतुलन खो बैठे और पानी में गिर गए।

उन्होंने कहा कि शुरू में आसपास मौजूद अन्य बच्चों ने दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उन्होंने शोर मचा दिया और दमकलकर्मी मौके पर पहुंच गए। अधिकारी ने बताया कि अहिरे गांव निवासी आयुष मोहन गुप्ता (14) और अंकुश मिलिंद केदारे (13) के शवों को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। इस संबंध में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है।

'ईडी सरकार जानबूझकर टाल रही है मनपा चुनाव!'

- नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार

मुंबई, राज्य की 'ईडी' सरकार मुंबई मनपा सहित राज्य की सभी महापालिकाओं और जिला परिषदों के चुनाव जानबूझकर टाल रही है। इन चुनावों के टालने का कोई कारण नहीं दिखाई दे रहा है। यह बात नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने कही है। राज्य में मध्यावधि चुनाव की संभावना से इंकार करते हुए अजीत पवार ने कहा कि विधायकों को चुनाव खर्च उठाना भारी है।

हाल ही में पालक मंत्री चंद्रकांत पाटील ने विवादास्पद बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि माता-पिता को गाली दी तो चलेगा, इस बयान का मतलब 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' ऐसी टिप्पणी अजीत पवार ने पिंपरी में मीडिया से बात करते हुए की। उन्होंने कहा कि माता- पिता को गाली देना अपनी संस्कृति नहीं है। विधान सभा का मध्यावधि चुनाव के बारे पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि दो वर्ष कोरोना में चला गया, अब धीरे-धीरे काम शुरू हुआ है, चुनाव में कितना खर्च लगता है, यह विधायकों को मालूम है। यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

अंधेरी विधान सभा का उपचुनाव घोषित किया जा रहा है, अवधि समाप्त हुए जिला परिषद, नगरपालिका, महापालिका का भी चुनाव कराना चाहिए लेकिन सरकार जानबूझकर चुनाव टाल रही है। ऐसा अजीत पवार ने कहा। चंद्रकांत पाटील के बयान पर पवार ने कहा कि किसी को भी किसी का अपमान नहीं करना चाहिए। ऐसा अपमान करके बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं का हल होगा क्या? पालक मंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह का बेतुका बयान देना गलत है।

पाटील को उनकी इच्छा के अनुसार मंत्री पद नहीं दिया गया था, इसलिए वे नाराज हैं। इस कारण वे इस तरह के बयान दे रहे हैं। ऐसी टिप्पणी भी पवार ने की। भाजपा के १०५ विधायक चुनकर आने के बाद भी भाजपा ने सरकार नहीं बनाई और बाद में अनैतिक तरीकों से सरकार बनाने की कोशिश कर रही थी। महाविकास आघाडी सरकार गिराने के लिए बड़ी शक्ति कार्यरत थी। वो शक्ति साथ थी, इसलिए शिंदे ने इतनी बड़ी हिम्मत की। ऐसा अजीत पवार ने कहा।

शरद पवार के घर पर हमला करनेवाले एसटी कामगारों के निलंबन वापस लेने के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल जवाब में पवार ने कहा कि शिंदे-फडणवीस सरकार से दूसरी अपेक्षा कर सकते हैं क्या? नासिक बस दुर्घटना में मरनेवाले परिवार वालों को पांच लाख रुपए की मदद मुख्यमंत्री ने घोषित की। यह मदद अत्यंत कम है, दही-हंडी के गोविंदा को १० लाख की मदद जाती है। मदद देने में भेदभाव मत करो, नासिक दुर्घटना में शिकार हुए निष्पाप नागरिकों का कोई दोष नहीं है, ऐसा अजीत पवार ने कहा।

शहनाज गिल के पिता को धमकी

मुंबई, पंजाबी कलाकारों को जान से मारने की धमकियां मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां बॉलीवुड अभिनेता और अभिनेत्रियों के बाद अब उनके परिवार के लोगों को धमकी भरे फोन आने शुरू हो गए हैं। बिग बॉस कंटेस्टेंट रह चुकी अभिनेत्री और पंजाबी सिंगर शहनाज गिल के पिता संतोख सिंह को जान से मारने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि शहनाज के पिता को फोन किसी विदेशी नंबर से आया था। फोन करने वाले ने उन्हें दिवाली से पहले घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी है। फिलहाल इसकी शिकायत संतोख ने पुलिस में कर दी है। एसएसपी स्वप्ना शर्मा ने कहा कि संतोख सिंह से सभी सबूत ले लिए गए हैं। हम मामले की अच्छी तरह से जांच कर रहे हैं। एसएसपी ने जब संतोख गिल से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वह किसी काम से तरनतारन जा रहे थे। इस बीच उनके मोबाइल पर किसी अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करनेवाले ने उन्हें धमकाया कि वह उन्हें इस दिवाली से पहले जान से मार देगा। यही नहीं उसने कहा कि वह उन्हें गोली नहीं मारेगा, बल्कि दिल के टुकड़े-टुकड़े करके मारेगा।

हमारी लड़ाई लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए है! -जयंत पाटील

मुंबई, राकांपा की लड़ाई सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि फुले-शाहू-आंबेडकर द्वारा दिए गए लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों को बनाए रखने के लिए है। यह बात राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व जल संसाधन मंत्री जयंत पाटील ने कही।

राकांपा के डॉक्टर सेल की राज्यस्तरीय बैठक कल राष्ट्रवादी भवन मुंबई में संपन्न हुई। इस अवसर पर डॉ. सुनील जगताप को राकांपा डॉक्टर सेल के प्रदेशाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। एसटी हड़ताल के दौरान सिल्वर ओक के आवास पर हमला करनेवाले एसटी कार्यकर्ताओं को बहाल कर दिया गया है। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने बिना किसी का नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह स्पष्ट है कि सिल्वर ओक पर हमला करने के लिए 'उन' कार्यकर्ताओं को किसने उकसाया था! राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के सिल्वर ओक आवास पर पथराव करनेवाले एसटी कार्यकर्ताओं को सरकार ने पुनः काम पर वापस लेने का आदेश दिया है। इस पृष्ठभूमि में जयंत पाटील ने विभिन्न मुद्दों पर मीडिया से बातचीत की। जयंत पाटील ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि सिल्वर ओक पर हमला किसने करवाया था, यह उन कर्मचारियों को काम पर वापस लेने से साफ हो गया है। उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील ने बयान दिया है कि माता-पिता को भले ही डांट लो, लेकिन मोदी-शाह को कुछ भी बोलोगे तो बर्दाश्त नहीं करूंगा, इस बात को लेकर जयंत पाटील ने चंद्रकांत पाटील पर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि माता-पिता को डांटना सही है।

मोदी-शाह की माता-पिता से तुलना करना बहुत गलत है, हिंदू संस्कृति में ऐसा नहीं है। ईडी सरकार द्वारा शिवसेना विधायक वैभव नाइक की संपत्ति की जांच के लिए एसीबी को आदेश देने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में जयंत पाटील ने कहा कि विधायक वैभव नाइक ने उद्धव ठाकरे का समर्थन नहीं छोड़ा है और वफादार हैं। शायद उन पर शिवसेना छोड़ने का दबाव डाला जा रहा है।

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 10 अक्टूबर 2022

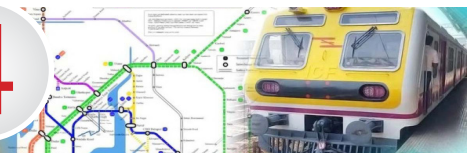

बच्चे की कस्टडी पर भिड़े दत्तक और जैविक माता-पिता, बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया फैसला

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट में एक साल के बच्चे की कस्टडी को लेकर याचिका की गई थी। बच्चे को लेकर झगड़ा उसके दत्तक माता-पिता और जैविक पैरंट्स के बीच था। इस केस में हाई कोर्ट ने दत्तक माता-पिता को राहत देने से इनकार कर दिया। दरअसल बच्चे को एक अनाथालय से उसकी मां ने एक अन्य कपल को गोद दे दिया था। इस दौरान एक नोटरी पर दोनों पक्षों ने हस्ताक्षर किए। बाद में जैविक माता-पिता ने बच्चे को गोद देने से इनकार कर दिया और अपने बच्चे की कस्टडी वापस मांगी।

सिटी सिविल कोर्ट में लड़के की कस्टडी को लेकर दंपति और बच्चे के जैविक माता-पिता आपस में लड़ रहे हैं। दंपति ने केंद्र को हिंदू दत्तक और रखरखाव अधिनियम, 1956 (ल्रअटअ) में संशोधन करने का निर्देश देने के लिए एचसी का रुख किया था। यह संशोधन था उन स्थितियों के संबंध में जहां हिरासत पहले ही सौंपी जा चुकी है लेकिन सहमति वापस ले ली गई है। उन्होंने हाई कोर्ट से ऐसे मामलों में निचली अदालतों को मानदंड जारी करने और पक्षों को यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश देने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का आग्रह किया। हालांकि, 20 सितंबर को जस्टिस संजय गंगापुरवाला और आरएम लड्ढा ने कहा कि वे अदालत के समक्ष उचित राहत मांग सकते हैं जहां कार्यवाही दायर और लंबित है।' दंपति की याचिका में कहा गया है कि वे एक दूसरे बच्चे की इच्छा रखते हैं और गोद लेना चाहते हैं। उन्होंने नवंबर 2019 में केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण में पंजीकरण कराया था, लेकिन कोई प्रगति नहीं हुई।

जून 2021 में, उन्होंने एनजीओ अहम फाउंडेशन के साथ पंजीकरण कराया। 16 जुलाई, 2021 को इसके मालिक जूलिया फर्नांडीस ने उन्हें बताया कि एक नवजात शिशु गोद लेने के लिए उनके पास है। जबकि वे इसके बारे में आशंकित थे, बच्चे की मां ने तत्काल गोद लेने पर जोर दिया। एक छोटी सी लेनदेन की प्रक्रिया के बाद, जैविक माता-पिता के साथ गोद लेने का कार्य निष्पादित किया गया और उन्हें बच्चे की कस्टडी दी गई।

इसने आगे कहा कि चूंकि जैविक माता-पिता ने अपने बच्चे को गोद लेने के लिए देने पर आपत्ति जताई है, गोद लेने की प्रक्रिया उनकी सहमति के बिना पूरी नहीं की जा सकती। जून 2022 में, दंपति ने दीवानी अदालत के समक्ष एक समीक्षा याचिका दायर की और जैविक माता-पिता ने अपने बच्चे की कस्टडी के लिए दायर किया।

मुंबई पुलिस के 40% कर्मचारी बीमार!

मजबूरी में लेनी पड़ रही है दवाइयां, तनाव ने किया त्रस्त

मुंबई: त्योहारों का मौसम इन दिनों चल रहा है। रैलियां हो रही हैं और कुछ महीने बाद बीएमसी चुनाव भी होने हैं। हर वक्त पूरे शहर में कभी यहां, तो कभी वहां बंदोबस्त का टेंशन रहता ही रहता है। इस वजह से मुंबई पुलिस कर्मी भी जबरदस्त मेंटल स्ट्रेस में रहते हैं- खासतौर से सिपाही। इसका उनकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ रहा है। एनबीटी ने मुंबई पुलिस में कुछ अलग-अलग लोगों से बात की। उनका कहना है कि मुंबई पुलिस में औसतन 40 प्रतिशत लोग किसी न किसी तरह की मेडिसिन लेते ही हैं। इसी मेंटल स्ट्रेस की वजह से किसी को ब्लड शुगर है, तो किसी को अन्य तरह की और बीमारियां।

एक सिपाही ने कहा कि हम लोगों के साथ दिक्कत है कि हम लोग ठीक से सो नहीं पाते। जब जगते हैं, तो फिर ड्यूटी पर भागते हैं। परिवार के लिए हमारे पास वक्त नहीं है। जब वक्त नहीं है, तो बच्चों की

परवरिश नहीं कर पाते। बच्चों को लेकर जो और लोग बड़े-बड़े सपने देखते हैं, वह हम लोग नहीं देख पाते, क्योंकि हमारे पास बच्चों के लिए वक्त नहीं है। इस वजह से काम के अलावा बाद में हमारा परिवार को लेकर स्ट्रेस बढ़ जाता है।

जब दत्ता पडसलगीकर मुंबई के पुलिस कमिश्नर थे, तो पुलिस सिपाही रवींद्र पाटील ने सिपाहियों के लिए 8 घंटे की ड्यूटी का प्रॉजेक्ट बनाकर पडसलगीकर को सौंपा था। उन्होंने इस प्रॉजेक्ट को हरी झंडी दे दी। कुछ साल तक सिपाहियों के लिए आठ घंटे की ड्यूटी लागू भी हुई। फिर कोरोना शुरू हो गया और 8 घंटे की ड्यूटी फिर से 12 घंटे की हो गई।

जब संजय पांडेय मुंबई के पुलिस कमिश्नर बने, तो उन्होंने आठ घंटे की ड्यूटी को फिर लागू करने का फैसला किया, पर मुंबई पुलिस के एक सिपाही का दावा है कि मुंबई के 50 प्रतिशत से ज्यादा पुलिस स्टेशनों में अब भी 12 घंटे की ड्यूटी चल रही है। सिपाही को घर पहुंचने और घर से पुलिस स्टेशन आने में भी दो से तीन घंटे लग ही जाते हैं। इसीलिए सात घंटे की जरूरी नींद वह कभी पूरी नहीं कर पाता।

एक पुलिस सिपाही के अनुसार, क्राइम ब्रांच में थोड़ी राहत है। वहां आठ से दस घंटे से ज्यादा की ड्यूटी नहीं होती। सीनियर इंस्पेक्टर सुबह 11 बजे तक आता है और शाम को 7 या अधिक से अधिक आठ बजे तक घर चला जाता है। उसके साथ ही ज्यादातर स्टाफ चला जाता है। सिर्फ दो-तीन सिपाही ही नाइट ड्यूटी में रहते हैं। क्राइम ब्रांच का मूल काम इन्वेस्टिगेशन का है, जबकि पुलिस स्टेशन में इन्वेस्टिगेशन के साथ लॉ ऐंड ऑर्डर भी देखना होता है।

कार में चार्जर लगा रहा था आरोपी, बांद्रा-वर्ली सीलिंक पर हादसे की बड़ी वजह?

मुंबई: मुंबई के बांद्रा वर्ली सीलिंक पर मंगलवार की आधी रात हुए सड़क हादसे में मारे गए लोगों के परिवार वालों की आंख से आंसू नहीं सूखे हैं। आरोपी के वकील के बताया कि हादसे के समय उसका क्लाइंट कार में चार्जर लगा रहा था। इस दुर्घटना में 5 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी जबकि 13 लोग घायल हुए थे। इस मामले में पुलिस ने इरफान अब्दुल रहीम बिलकिया को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था। पुलिस ने इस मामले में बिलकिया को आईपीसी की धारा 304(̇) और 304 (2) के तहत गिरफ्तार किया था। इसके अलावा उस पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत रैश ड्राइविंग की भी धारा लगाई गई है।

बिलकिया पर आरोप है कि उसकी कार ने एक स्विफ्ट कार (जो टायर फटने की वजह से पहले से ही खड़ी थी) को टक्कर मारी थी। जिसकी वजह से दो अन्य कार आपस में टकराई। जिसमें से एक बलेनो और एक मर्सिडीज थी। इसी वजह से स्विफ्ट कार में फंसे लोगों की समय पर मदद नहीं हो पाई। बिलकिया के वकील विक्रम चव्हाण ने अदालत से कहा कि पुलिस ने उस उसके क्लाइंट पर गैर इरादतन हत्या का गलत मामला दर्ज किया है। बिलकिया का न तो कोई ऐसा इरादा था और न ही उसे सीलिंग पर हुई इस दुर्घटना का पहले से कोई अंदाजा था।

बिलकिया के वकील ने कहा कि अगर सीलिंग पर पहले से एक कार दुर्घटनाग्रस्त है। तब संबंधित अथॉरिटी को उस जगह पर बैरिकेडिंग करनी चाहिए थी लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया था। यह सब कुछ बिल्कुल बीच सड़क पर था। एडवोकेट चव्हाण ने कहा कि मेरा क्लाइंट हाई डायबिटीज का मरीज है और वह भी इस दुर्घटना का शिकार है। इस दुर्घटना में उसका भी एक हाथ फ्रैक्चर हुआ है। अगर उसे तुरंत मेडिकल हेल्प नहीं दी गई तो उसे गैंग्रीन भी हो सकता है क्योंकि उसके शरीर में कांच के टुकड़े अभी भी हैं।

बांद्रा वर्ली सी लिंक पर फिर से हुई दुर्घटना, पीछे से एक कार ने दूसरे को ऐसी मारी

मुंबई, बांद्रा वर्ली सी लिंक पर एक बड़ी दुर्घटना के महज तीन दिन बाद शनिवार सुबह इसी सड़क पर एक और दुर्घटना हुई। हालांकि इस बार गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई और न ही कोई बहुत गंभीर रुप से जख्मी हुआ है। मालूम हो कि बुधवार तड़के बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर हुए सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई थी और नौ घायल हुए थे। बांद्रा पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दरअसल, एक कैब (वैगन आर) को जब एक बलेनो कार ने पीछे से आकर टक्कर मार दी, तो यह पलट गई। बांद्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक राजेश देवारे ने इस घटना की पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, बलेनो कार उस वक्त कैब से जा टकराई जब कैब चालक लेन बदल रहा था। दुर्घटना के वक्त कैब में दो लोग सवार थे। हालांकि, इनमें से किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं। घटना देर रात दो बजे टोल प्लाजा से कुछ सौ मीटर की दूरी पर हुई है। घटना की सूचना मिलते ही टोल प्लाजा के कर्मी और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे।

बीमा के 50 लाख हड़पने के लिए पति-पत्नी ने रची साजिश

मुंबई, मुंबई की दिंडोशी पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए पति-पत्नी के एक जोड़े को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पत्नी ने बीमा के 50 लाख हड़पने के लिए पति की मौत की झूठी कहानी बनाई। लेकिन बीमा कंपनी ने जब इसकी जांच की तो सच्चाई सबके सामने आ गई।

मालूम हो कि इस साल 25 जनवरी को 36 साल के प्रकाश माने ने एक बीमा पालिसी में अपना

पैसा लगाया था, जिसके तहत अगर उसकी मौत हो जाती है तो उसके परिवार को 25 लाख रुपये और दुर्घटनावश मृत्यु होने की स्थिति में अतिरिक्त 25 लाख रुपये के मिलने का प्रावधान है। प्रकाश ने इस पालिसी में अपनी पत्नी को नामिनी बनाया था।

पुलिस के मुताबिक, बीमा लेने के महज तीन महीने बाद प्रकाश की पत्नी ने कंपनी को बताया कि 6 मार्च को उसके पति की एक दुर्घटना में मौत हो गई है और इसके दस दिन बाद उसने बीमा की तय राशि मिलने का क्लेम किया।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com